नारी सशक्तिकरण की पुकार

Part I

आज मैं फिर सो नहीं सकता हूँ
आज फिर किसी की श्वास थम गई है,
आज फिर बलात्कार की खबर सुनकर
मेरी भी आँखें नम हुई है।

जिस मरघट पर अग्नि देते है शोषित को
उसकी जमीन तक थरथराती है,
फिर ना जाने क्यूँ ये दहकती चिता
आक्रोश की ज्वाला नहीं जगा पाती है।

खबरों का शोर गुल है
राजनेताओं की चीख में,
नारी आज भी माँग रही है सुरक्षा
इस समाज से भीख में।

हृदय पसीजता है मेरा
ज़मीर की हत्या हो जाती है,
जब कानों में पडती है खबर
5 महीने कि बच्ची शिकार हो जाती है।

किस बात का तकब्बुर है तुझे
9 माह संभाल कर जन्म देती है वो,
खून नहीं जितना तेरे शरीर में
उतना 4 दिन में बहा देती है वो।

Part II

कुछ क्षण के लिए नारी को वितरण क्या कर लिया
तुम्हारी हैवानीयत के द्वार खुल गए,
शोशन का दुसःसाहस कहाँ से आ गया
क्या तुम नारी कि तलवार की धार भूल गए।

ये समाज भूल गया है,
आज से इसका कल है,
जहां नारी सशक्त है,
सिर्फ वही समाज सफल है

इंदिरा गांधी सी नेता, देश की दिशा बदलने वाली,
कलावती देवी सी वैज्ञानिक, चाँद को स्पर्श करने वाली।
लक्ष्मीबाई सी रानी, वीरता की गाथा लिखने वाली,
सावित्रीबाई फुले सी शिक्षिका, अज्ञानता को मिटाने वाली।

ये तो बस चंद उदाहरण, नारी शक्ति की कहानी,
हर क्षेत्र में चमक रही, अनगिनत है रानी।
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, आवाज उठते है तूफान,
बदल रहा है उनके साथ समाज, उनके हर कदम पर नया मुकाम।

ये सिर्फ इक झलक है, उनकी क्षमता अनंत है,
भविष्य का सूरज उनका, चमक अनंत है।
तो हाथ मिलाओ उनके साथ, हौसला है बढ़ाना,
उनसे हमारा कल था, आज है, और होगा आने वाला ज़माना ।

SItara- Gaurav Gaikwad

Mentor- Yogeshwar Singh